सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajindianews swarajindianews

स्वराज इंडिया

दैनिक सांध्यकालीन

कानपुर, शुक्रवार, 07 नवंबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 296, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

अपने सांसद को समझा दो...! वो बिहार आए तो गोली मार देंगे

» Pg12

इनसाइड रियल एस्टेट के नाम पर 1.13 करोड़ की ठगी ... » Pg04

राष्ट्रगीत की 150वीं वर्षगांठ पर स्मरण समारोह

हर जुल्म का जवाब बना... वंदे मातरम्!

बोले पीएम मोदी- गुलामी के कालखंड में बना आजादी का गीत, फांसी तक चढ़ गए क्रांतिकारी, डाक टिकट और सिक्का हुआ जारी

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया।

नई दिल्ली/लखनऊ। राष्ट्रगीत 'वंदेमातरम्' के 150 साल पूरे होने के मौके पर आयोजित स्मरण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'वंदे मातरम्' शब्द हमारे वर्तमान को आत्मविश्वास से भर देता है, यह हमें साहस देता है कि ऐसा कोई लक्ष्य नहीं है जिसे प्राप्त न किया जा सके। वंदेमातम् आजादी का गान ही नहीं बना बल्कि आजाद भारत कैसा होगा, वंदेमातरम् ने सुजलाम-सुफलाम का सपना भी करोड़ों देशवासियों के सामने प्रस्तुत किया। आज यह दिन वंदेमातरम की असाधारण यात्रा को याद करने का मौका देता है। जब बंग दर्शन में वंदेमातरम प्रकाशित हुआ तो कुछ लोगों को लगता था कि यह तो केवल एक गीत है लेकिन देखते-देखते यह स्वतंत्रता संग्राम का स्वर बन गया। यह हर क्रांतिकारी के जबान पर था। हर भारतीय की भावनाओं को व्यक्त कर रहा था। पीएम मोदी ने कहा कि कुछ लोगों ने वंदेमातरम् को भी बांटने की

वंदेमातरम् को तोड़ने की कोशिश

प्रधानमंत्री ने कहा, आजादी की लड़ाई में वंदेमातरम् की भावना ने पूरे राष्ट्र को प्रकाशित किया लेकिन दुर्भाग्य से 1937 में वंदेमातरम् के महत्वूर्ण पदों को अलग कर दिया गया था। वंदेमातरम् को तोड़ दिया गया। उसके टुकड़े किए। वंदेमातरम् के विभाजन ने देश के विभाजन के बीज भी बो दिए थे।

राष्ट्र निर्माण का यह महामंत्र के साथ यह अन्याय क्यों हुआ? वही विभाजनकारी सोच देश के लिए आज भी चुनौती बनी हुई है। हमें इस सदी को भारत की सदी बनाना है। यह सामर्थ्य भारत में है।

कोशिश की और वे शक्तियां आज भी मौजूद हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, वंदेमातरम् हमें हौसला देता है कि ऐसा कोई संकल्प नहीं जिसकी सिद्धि ना हो सके। ऐसा कोई लक्ष्य नहीं जिसे हम भारतवासी पा ना सकें।

उन्होंने कहा, आज वंदे मातरम् पर एक डाक टिकट और विशेष सिक्का भी जारी किया गया है। मैं मां भारती के सपूतों को वंदे मातरम् के लिए जीवन खपाने के लिए श्रद्धांजलि देता हूं। मैं वंदेमातरम् के 150 साल पूरे होने पर बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं। हर कार्य का अपना एक भाव होता है। एक मूल संदेश होता है। वंदे मातरम् का मूल भाव क्या है। इसका मूल भाव है, भारत, मां भारती। भारत की शाश्वत संकल्पना, वह संकल्पना जिसने युगों-युगों को देखा है। शून्य से शिखर तक की यात्रा और शिखर से पुनः शून्य में उनके विलय को देखा है। बनता-बिगड़ता इतिहास। भारत ने यह सब कुछ देखा है। इंसान की अनंत यात्रा से हमने सीखा और समय-समय पर हमने अपनी सभ्यता के मूल्यों और आदर्शों को तराशा। हमारे पूर्वजों ने, हमारे देशवासियों नेअपनी एक पहचान बनाई।

प्रधानमंत्री ने कहा, गुलामी के उस कालखंड में वंदे मातरम् इस संकल्प का उद्घोष बना गया था भारत की आजादी का। भार तकी संतानें अपने भाग्य की विधाता बनें। आनंद मठ केवल उपन्यास नहीं था बल्कि स्वाधीन भारत का एक स्वप्न था। आनंद मठ में वंदे मातरम् का प्रसंग, एक-एक पंक्ति, उसका हर भाव, कुछ वर्षों के गुलामी के साये में कैद नहीं रहे। वे गुलामी की स्मृतियों से आजाद रहे। इसलिए वंदे मातरम हर दौर में, हर कालखंड में प्रासंगिक है। इसने अमरता को प्राप्त किया है। वंदे मातरम की पहली पंक्ति, सुजलाम, सुफलाम, मलयज शीतलाम, सश्य श्यामलाम मातरम्। यानी प्रकृति की सुंदरता से सुशोभित मातृभूमि को नमन। यही तो भारत की हजारों साल पुरानी पहचान है।

पीएम मोदी ने कहा, जब बंकिम बाबू ने वंदेमातरम् की रचना की तब भारत अपने स्वर्णि दौर से बहुत दूर जा चुका था। विदेशी आक्रमणकारियों के हमले और लूटपाट, अंग्रेजों की शोषणकारी नीतियां और हमारा देश गरीबी और भूख के चंगुल में कराह रहा था। तब भी बंकिम बाबू ने उस हाल में भी बंकिम बाबू ने समृद्ध भारत का आह्वान किया क्योंकि उन्हें विश्वास था कि मुश्किलें कितनी भी क्यों ना हों। भारत अपने स्वर्णिम दौर को पुनर्जीवित कर सकता है।

पीएम मोदी ने उठाया एक सवाल

गुरुदेव रवींद्र नाथ टैगोर ने कोलकाता अधिवेशन में वंदे मातरम गाया। 1905 में बंगाल का विभाजन हुआ। यह अंग्रेजों की देश को बांटने की बड़ी साजिश थी। लेकिन वंदे मातरम उन मंसूबों के आगे चट्टान बनकर खड़ा हो गया। बंगाल के विभाजन के विरोध में एक ही आवाज थी, वंदे-मातरम्। वीर सावरकर जैसे स्वतंत्रता सेनानी जब आपस में मिलते थे तो उनका स्वागत वंदे मातरम् से ही होता था। कितने ही क्रांतिकारी फांसी के तख्त पर भी वंदेमातरम् गाते रहे।

ये गीत राष्ट्र प्रथम की भावना को जगाता हैः सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को लखनऊ के लोकभवन में वंदे मातरम गीत की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने लखनऊ में कहा कि हमारा राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् हमारे दिलों में राष्ट्र प्रथम की भावना को दर्शाता है। भारत की आजादी के दौरान इस गीत ने सभी देशवासियों को एकता के सूत्र में बांधने का काम किया है। इस कार्यक्रम में यूपी सरकार के कई मंत्री, नेता और अधिकारीगण शामिल हुए।

यह गीत आज भी जगाता है राष्ट्रभक्ति की अमर ज्वाला

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि वंदे मातरम आज भी हर भारतीय के दिल में राष्ट्रभक्ति की अमर ज्वाला प्रज्वलित करता है। यह गीत देश में एकता, देशभक्ति और युवाओं में नई ऊर्जा का प्रतीक बना हुआ है। अमित शाह ने यह बात वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर कही। इस गीत के रचनाकाल (7 नवंबर 1875) से शुरू होकर अगले एक साल तक यानी 7 नवंबर 2026 तक इसका विशेष स्मरण वर्ष मनाया जाएगा।

100 मीटर पर अतिक्रमण से 93 करोड़ की गंगा बैराज रोड अटकी

» चार लेन, डिवाइडर और फुटपाथ वाला मार्ग बनना था मॉडल रोड

» दीपावली तक मिली मोहलत गई बेकार, अब 15 नवंबर डेडलाइन

» प्रमुख संवाददाता / स्वराज इंडिया

कानपुर। लगभग 93 करोड़ रुपये की लागत से बन रही गंगा बैराज रोड का चौड़ीकरण सिर्फ 100 मीटर अतिक्रमण की वजह से थम गया है। पीडब्ल्यूडी की बार-बार चेतावनी और दीपावली तक दी गई मोहलत के बावजूद अतिक्रमणकारियों ने अब तक जमीन खाली नहीं की है। वहीं निर्माण की डेडलाइन 15 नवंबर तय है, यानी कार्य पूरा करने के लिए अब मात्र नौ दिन शेष हैं। दो वर्ष पूर्व मंधना से गंगा बैराज, उन्नाव होते हुए मोहनलालगंज (लखनऊ) तक के 104 किलोमीटर लंबे मार्ग को राज्य मार्ग घोषित किया गया था।

लगातार बढ़ते ट्रैफिक को देखते हुए पीडब्ल्यूडी निर्माण खंड-2 ने डेढ़ साल पहले मंधना से गंगा बैराज तक 17 किलोमीटर लंबे हिस्से के चौड़ीकरण की शुरुआत की थी ।इस परियोजना के तहत रोड को चार लेन, बीच में 1.20 मीटर चौड़ा डिवाइडर, और दोनों तरफ इंटरलॉकिंग फुटपाथ व स्ट्रीट लाइटें लगाने का प्रावधान है ।अमर उजाला की पड़ताल में सामने आया कि शुक्लागंज से सिंहपुर चौराहा होते हुए मंधना तक करीब 200 मीटर रोड बन चुकी है, लेकिन इसमें से 100 मीटर हिस्से पर अतिक्रमण के कारण काम अटका हुआ है ।

छह महीने पहले दी गई पहली चेतावनी और डेढ़ महीने पहले दोबारा नोटिस के बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाया गया ।स्थानीय दुकानदारों ने दीपावली तक का समय मांगा था, मगर त्योहार बीत जाने के बाद भी कब्जे जस के तस हैं ।विभागीय अधिकारी बताते हैं कि जैसे ही अतिक्रमण हटेगा, शेष 100 मीटर का कार्य तुरंत पूरा करा दिया जाएगा। वहीं ठेकेदार को पीडब्ल्यूडी ने चेतावनी दी है कि तय समय में निर्माण कार्य हर हाल में समाप्त होना चाहिए।

हिस्ट्रीशीटर के गुर्गों ने युवक को 8 घंटे बंधक बनाकर पीटा

पीड़ित के साथ मारपीट के कई वीडियो वायरल, हिस्ट्रीशीटर अमन वर्मा की तलाश

» प्रमुख संवाददाता / स्वराज इंडिया

कानपुर। हिस्ट्रीशीटर अमन वर्मा के गुर्गों की बर्बरता का हैरान करने वाला मामला सामने आया है। बर्रा थाना क्षेत्र में युवक को 8 घंटे तक बंधक बनाकर बेरहमी से पीटा गया। आरोप है कि गुर्गों ने युवक के सीने पर पैर रखकर उसका गला दबाया, जिससे वह बेहोश हो गया। होश आने पर उससे पूरे कमरे की सफाई कराई गई। इस घटना से जुड़े 7 वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं। स्वराज इंडिया वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

वीडियो में हिस्ट्रीशीटर अमन वर्मा के साथी युवक को कमरे में बंद कर थप्पड़ मारते और गालियां देते नजर आ रहे हैं। एक वीडियो में पीड़ित युवक कुछ कहने की कोशिश करता है तो उसे धीमी आवाज में बोलने की धमकी दी जाती है। वीडियो बनाने वाला युवक कहता है अपना नाम लेने की औकात नहीं है क्या? जिस पर पीड़ि कहता है अगर हमने अमन वर्मा के बारे में कुछ कहा है, तो हमें जान से मार दो ।एक अन्य वीडियो में आरोपी युवक के कपड़े उतरवाकर उसकी पिटाई करते दिखते हैं। उसे दीवार से सिर भिड़ाकर मारा जाता है और फिर कुर्सी पर बैठाकर बनियान से गला दबाया जाता है। इस दौरान पास में शराब का गिलास भी नजर आता है।

जानकारी के मुताबिक, पीड़ित युवक पहले जरौली फेस-वन निवासी हिस्ट्रीशीटर अमन वर्मा के साथ रहता था। कुछ समय पहले दोनों में विवाद हो गया था, जिसके बाद अमन वर्मा के गुर्गों ने उसे कमरे में बंद कर पूरी रात यातनाएं दीं ।बर्रा इंस्पेक्टर रविंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि वायरल वीडियो की जांच शुरू कर दी गई है। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि अमन वर्मा बर्रा थाने का हिस्ट्रीशीटर है, जिस पर चोरी, हत्या का प्रयास, आर्म्स एक्ट, दहेज उत्पीड़न और विस्फोटक अधिनियम समेत 7 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

दिखेगा खिलाड़ियों का दम, पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता शुरू

» सब जूनियर से मास्टर वर्ग तक महिला-पुरुष खिलाड़ी दिखाएंगे दमखम

» बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मिलेगा कानपुर मंडल टीम में मौका

» प्रमुख संवाददाता / स्वराज इंडिया

कानपुर। सेठ मोतीलाल खेड़िया सनातन धर्म इंटर कॉलेज के मंच पर इस बार ताकत का जलवा देखने को मिलेगा।

कानपुर पावर लिफ्टिंग एसोसिएशन की ओर से 8 और 9 नवंबर को डिस्ट्रिक्ट बेंच प्रेस व डेडलिफ्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसमें करीब 400 खिलाड़ी अपनी ताकत का लोहा मनवाने उतरेंगे। एसोसिएशन के सचिव सौरभ गौर ने बताया कि प्रतियोगिता में सब जूनियर, जूनियर, सीनियर और मास्टर वर्ग में महिला और पुरुष खिलाड़ी भाग लेंगे। सभी वर्गों के खिलाड़ियों का वजन शुक्रवार को किया जाएगा ।प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया 7 नवंबर से शुरू हो गई है। बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को कानपुर मंडल टीम में स्थान मिलेगा। पुरुष वर्ग में नौ भार वर्ग और महिला वर्ग में आठ भार वर्ग के खिलाड़ी पदक के लिए मुकाबला करेंगे ।सौरभ गौर ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य शहर में पावर लिफ्टिंग खेल को नई पहचान देना और प्रतिभाओं को राज्य व राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाना है।

कुशाग्र हत्याकांड

दो साल बाद भी अधर में न्याय, अब और इंतज़ार नहीं!

» परिवार-कारोबार टूटकर बिखरा फिर भी इंसाफ की आस

कुशाग्र तो वापस नहीं आएगा, लेकिन उसके हत्यारों को फांसी मिलनी ही चाहिए, ताकि कोई और बच्चा ऐसे दरिंदों की हैवानियत का शिकार न बने।

सुमित कनोडिया, कुशाग्र के चाचा

» प्रमुख संवाददाता। स्वराज इंडिया

कानपुर । महानगर कानपुर के रायपुरवा थाना क्षेत्र में दो वर्ष पूर्व 30 अक्टूबर 2023 की शाम जो वारदात हुई, उसने न सिर्फ़ एक परिवार की दुनिया उजाड़ी बल्कि पूरे शहर, राज्य और देश की आत्मा को हिला दिया था। जयपुरिया स्कूल में पढ़ने वाला 11वीं कक्षा का संस्कारी, शांत स्वभाव का छात्र कुशाग्र कनोडिया, रोज़ की तरह कोचिंग के लिए निकला था। पर उस दिन उसे घर लौटना नसीब नहीं हुआ।

यही वह दिन था, जब उसकी पूर्व ट्यूशन टीचर रचिता, उसके प्रेमी प्रभात शुक्ला और उनके साथी शिवा गुप्ता ने मिलकर 30 लाख रुपये की फिरौती के लालच में नाबालिग कुशाग्र को अपने जाल में फंसाया। कोचिंग जा रहे हैं कुशाग्र को रास्ते में रोककर प्रभात ने लिफ्ट मांगी और फजलगंज थाना क्षेत्र स्थित अपने घर पहुंचकर भावनात्मक दबाव बनाकर कुशाग्र को पानी पिलाने के बहाने कमरे में बुलाया। मासूम बच्चा, जो धर्म और संस्कारों से जुड़ा था, किसी बड़े की बात मना नहीं कर सका।

उसे पता नहीं था कि यह उसके जीवन का आख़िरी पल होगा।

घर पहुँचते ही तीनों आरोपियों ने मिलकर उसे बंधक बनाया, उसके गले में रस्सी डालकर हत्या कर दी और 30 लाख रुपए की फिरौती की योजना को अंजाम देने की कोशिश की। तत्कालीन डीजीपी विजय कुमार के संज्ञान में प्रकरण आने के बाद पुलिस ने तत्परता दिखाई। शक के आधार पर आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया और उनकी निशानदेही पर कुशाग्र का शव उनके घर से बरामद हो गया। लोकेशन, सीसीटीवी, कॉल रिकॉर्ड, स्वीकारोक्ति, सब कुछ अपराधियों पर भारी था। तीनों कानपुर सेंट्रल जेल भेज दिए गए। लेकिन हैरानी और पीड़ा की बात यह है कि दो साल बीत जाने के बावजूद आज तक न्याय नहीं मिल पाया है।

ये हैं हत्या के आरोपी

प्रभात रचिता आर्यन

'हर तारीख़ इंसाफ की उम्मीद लेकर आती हैं'!

कुशाग्र के पिता मनीष कनोडिया सदमे में परिवार समेत सूरत शिफ्ट हो गए। चाचा सुमित कनोडिया भाई-परिवार को संभालते हुए लगातार अदालतों के चक्कर लगा रहे हैं। परिजन कहते हैं कि फ़हमारा बेटा हमसे छिन गयाज पर अदालत से फैसले की उम्मीद अब भी बाकी है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट आदेश दिया था कि इस प्रकरण का एक वर्ष भीतर निस्तारण किया जाए। लेकिन नौकरशाही, न्यायिक प्रक्रिया की सुस्ती और तारीख़ दर तारीख़ मिलते रहने से पीड़ित परिवार टूट चुका है। दो साल बीत चुके हैं, उनका कारोबार संकट में है। मानसिक स्थिति खराब है और हर पेशी पर सूरत से कानपुर आना किसी दंड से कम नहीं।घटना के बाद इस्कॉन मंदिरों से लेकर शहर की सड़कों तक हजारों लोगों ने कैंडल मार्च निकाले, भजन-कीर्तन हुए, श्रद्धांजलि सभाएँ हुईं, देश-विदेश में एक ही आवाज़ उठी

कुशाग्र को इंसाफ दोज हत्यारों को फांसी दो!

परिवार का कहना है कि शासन-प्रशासन की ओर से किसी भी स्तर पर सक्रियता नहीं दिखी। बचाव पक्ष के वकीलों के तर्क और विलंबन रणनीति ने पीड़ा को और बढ़ाया है। ऐसा प्रतीत होता है मानो एक नाबालिग छात्र की हत्या कोई मामूली घटना रही हो जबकि परिवार आज भी हर रात उसी खामोशी में तड़पकर सोता है जिसे कानून की देरी ने और गहरा कर दिया।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

» नहीं हो पाई शिनाख्त,आरपीएफ ने शव मोर्चरी भेजा, जांच शुरू

» प्रमुख संवाददाता। स्वराज इंडिया

कानपुर। कल्याणपुर थाने के पास सुबह करीब आठ बजे अहमदाबाद से गोरखपुर जा रही ट्रेन की चपेट में आने से एक अज्ञात युवक की मौत हो गई। उसका शव आरपीएफ ने कब्जे में लेकर मोर्चरी भेज दिया है।

कानपुर में कल्याणपुर थाना क्षेत्र के पास शुक्रवार सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। इसमें ट्रेन की चपेट में आने से एक अज्ञात युवक की मौके पर ही मौत हो गई।

सूचना मिलते ही आरपीएफ मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

घटना आज सुबह करीब आठ बजे कल्याणपुर थाने के निकट रेल पटरी पर हुई। बताया जा रहा है कि युवक रेलवे ट्रैक पार कर रहा था या उसके पास खड़ा था। तभी अहमदाबाद से गोरखपुर की ओर जा रही एक तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसा इतना भीषण था कि युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

नहीं हो पाई है शिनाख्त

मृतक युवक की अभी तक शिनाख्त नहीं हो पाई है। आरपीएफ ने घटनास्थल का मुआयना करने के बाद शव को कब्जे में ले लिया है और उसे मोर्चरी भेज दिया है। आरपीएफ अधिकारियों के अनुसार, मृतक की पहचान सुनिश्चित करने के लिए आसपास के लोगों और स्थानीय पुलिस की मदद ली जा रही है।

रियल एस्टेट के नाम पर 1.13 करोड़ की ठगी, छह लोगों को बनाया शिकार

» कृष्णा होम बिल्डर्स के संचालक और साथी पर फर्जीवाड़े व धमकी का आरोप

» एडीसीपी पश्चिम के आदेश पर मुकदमा दर्ज, एसीपी पनकी को जांच सौंपी गई

» प्रमुख संवाददाता/ स्वराज इंडिया

कानपुर। रियल एस्टेट कारोबार की आड़ में लोगों से करोड़ों रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। कृष्णा होम बिल्डर्स कंपनी के संचालक अविनाश पाल और उसके साथी दीपक मिश्रा पर छह लोगों से फर्जी बैनामा कर 1.13 करोड़ रुपये की ठगी का आरोप लगा है। पीड़ितों की शिकायत पर एडीसीपी पश्चिम कपिलदेव सिंह के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

कल्याणपुर के लवकुशपुरम निवासी संजय कुमार ने बताया कि आरोपितों ने कूटरचित दस्तावेज बनाकर कानपुर देहात की मैथा तहसील के ग्राम असई व अनूपपुर की जमीन का फर्जी बैनामा किया। यह बैनामा 19 जून 2020 से 11 नवंबर 2020 के बीच कराया गया था। बैनामे में गाटा संख्या 396 की जगह 393 अंकित करवा दी गई, जबकि उनके नाम पर उक्त गाटा की कोई जमीन ही नहीं थी।

पीड़ितों में दया शंकर गुप्ता, शैलेन्द्र गुप्ता, अक्षय गुप्ता, कृष्ण कुमार राजपूत, संजय कुमार और दूरबीन सिंह शामिल हैं।

आरोपितों ने जमीन देने के नाम पर इनसे क्रमशः 60 लाख, 8 लाख, 5 लाख, 6.65 लाख, 10 लाख और 23.40 लाख रुपये वसूल किए। जब पीड़ितों ने रकम वापस मांगी, तो उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई।शिकायत के बावजूद कार्रवाई न होने पर पीड़ितों ने एडीसीपी पश्चिम से गुहार लगाई।

जांच में मामला सही पाए जाने पर पनकी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया।वहीं, आरोपी दीपक मिश्रा ने अपने बचाव में कहा कि कुछ लोगों को रकम लौटाई जा चुकी है और कुछ से मामला कोर्ट में विचाराधीन है।

एडीसीपी कपिल देव सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच एसीपी पनकी को सौंपी गई है। आरोप सिद्ध होने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

150वीं वर्षगांठ पर वंदे मातरम् की गूँज

कानपुर के ऐतिहासिक नानाराव पार्क में हुआ सामूहिक गायन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। राष्ट्रवाद के अग्रदूत बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा वर्ष 1875 में रचित राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में नानाराव पार्क में विशेष कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। स्कूली छात्रों, स्काउट, जनप्रतिनिधियों, सांस्कृतिक संस्थाओं, समाजसेवियों तथा प्रशासनिक अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में लोगों ने वंदेमातरम् स्मरण उत्सव में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के दौरान वंदे मातरम् का सामूहिक गायन हुआ और स्वतंत्रता आंदोलन में इस गीत की प्रेरक भूमिका को याद किया गया।

महापौर प्रमिला पांडेय ने कहा कि वंदे मातरम् हमारे राष्ट्रीय गौरव, सांस्कृतिक धरोहर और स्वाधीनता संग्राम की प्रेरक शक्ति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह गीत हर भारतीय को अपनी मातृभूमि के प्रति गर्व, प्रेम और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश देता है।

महापौर ने कहा कि आज का यह आयोजन युवाओं में राष्ट्रभक्ति की भावना को और प्रबल करेगा और हमें एकजुट होकर देश के विकास में योगदान देने का संकल्प दिलाता है।विधायक नीलिमा कटियार ने कहा कि बंगाल की पावन धरती पर रचित यह गीत भारतीय संस्कृति, मातृभूमि-भक्ति और आध्यात्मिक चेतना का अद्भुत संगम है। विधायक सरोज कुरील ने वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह गीत राष्ट्रप्रेम, साहस और सर्वस्व अर्पण की प्रेरणा देता है। विधायक सुरेंद्र मैथानी ने कहा कि वंदे मातरम् ने देशभर में स्वाधीनता के प्रति चेतना जगाई और स्वतंत्रता आंदोलन को नई ऊर्जा प्रदान की।विधायक महेश त्रिवेदी ने कहा कि वंदे मातरम् सिर्फ एक गीत नहीं, बल्कि मातृभूमि के प्रति समर्पण और स्वाभिमान का अमर उद्घोष है। यह गीत नई पीढ़ी को देशहित में कार्य करने की प्रेरणा देता है। जिला पंचायत अध्यक्ष स्वप्निल वरुण ने कहा कि वंदे मातरम् भारतीय आत्मा का स्वर है,

जिसने हर युग में युवाओं को राष्ट्रनिर्माण के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से युवाओं में देशभक्ति, संस्कृति और कर्तव्यबोध मजबूत होता है।डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में वंदे मातरम् गीत का अतुलनीय योगदान रहा है। 1857 की प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के 18 वर्ष बाद रचित यह गीत भारतीय समाज की संस्कृति, सभ्यता और मातृभूमि के प्रति अटूट आस्था का भावनात्मक चित्र प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् ने उस दौर में भारतीयों के भीतर आत्मविश्वास, साहस और स्वाभिमान की नई चेतना जगाई। यह गीत अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्षरत देशवासियों के लिए प्रेरणा, शक्ति और एकजुटता का प्रतीक बन गया।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष प्रतिनिधि सुरेंद्र अवस्थी, डीसीपी रवींद्र कुमार, डीसीपी श्रवण कुमार, सीडीओ दीक्षा जैन, एसडीएम सदर/ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अनुभव सिंह, एडीएम वित्त एवं राजस्व डॉ विवेक चतुर्वेदी, एडीएम सिटी डॉ राजेश कुमार, जिला विकास अधिकारी आलोक सिंह सहित विभिन्न जनपद स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

सम्पादकीय

सरकार-शिक्षण संस्थानों की जवाबदेही तय हो

यह तथ्य हृदयविदारक ही है कि देश में एक साल के दौरान करीब चौदह हजार छात्रों ने आत्महत्या की। पहली नजर में आत्मघात के मूल में पढ़ाई का दबाव, छात्रों की संवेदनशीलता और तंत्र की नाकामी बताई जा सकती है। लेकिन सवाल है कि हमारा तंत्र क्यों संवेदनहीन बना हुआ है? यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को तलब करके इस बाबत विस्तृत विवरण मांगा है। साथ ही सवाल पूछा है कि क्या देश के सभी शिक्षण संस्थान छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदारी निभा रहे हैं? विडंबना यह है कि देश में मोटी पगार वाली नौकरियों की गलाकाट स्पर्धा में शिक्षण संस्थाएं व शिक्षक उस दायित्व को भूल गए हैं, जो छात्रों को विषयगत शिक्षा के साथ विषम परिस्थितियों के बीच जीवन जीने की कला सिखा सके।। आखिर किसी परिवार की उम्मीद को किस स्थिति में यह सोचना पड़ता है कि मौत को गले लगाना अंतिम विकल्प है? शिक्षा परिसरों में ऐसी स्थितियां क्यों विकसित हो रही हैं कि विद्यार्थी जीवन से हार मानने लगे हैं? निस्संदेह, शिक्षण संस्थानों का एक मात्र लक्ष्य किताबी ज्ञान देकर डिग्री बांटने तक ही नहीं हो सकता। शिक्षण संस्थानों के प्रबंधन तंत्र को अपने परिसर में समता, ममता और सहजता का वातावरण तैयार करना होगा। जहां किसी भी तरह तनाव, मानसिक कष्ट व भेदभाव नजर न आए और कारगर शिकायत निवारण तंत्र विकसित हो। ऐसा न होने पर ही सरस्वती के मंदिरों में तनाव की फसल उग रही है। हमारे नीति-नियंता इस दुखदायी स्थिति पर अंकुश लगाने हेतु किसी तरह की गंभीर पहल करते नजर नहीं आते। यदि गाल बजाने वाले राजनेता कोई कदम उठाने की लोकलुभावनी घोषणा करते भी हैं तो भी जमीनी हकीकत बदलती नजर नहीं आती। घोषणाएं प्रभावी भी होनी चाहिए। सवाल यह भी है कि शैक्षणिक परिसरों में आत्महत्या रोकने के लिये जो कदम केंद्र व राज्य सरकारों को उठाने चाहिए थे, उसके बाबत देश की शीर्ष अदालत को क्यों पहल करनी चाहिए? इस मामले में सख्त रवैया अपनाते हुए सर्वोच्च न्यायालय को कहना पड़ा कि केंद्र व राज्य सरकारें आठ सप्ताह के भीतर वह विस्तृत ब्योरा प्रस्तुत करें, जो आत्महत्या रोकने के दिशा-निर्देशों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करे। दुखद स्थिति यह भी है कि देश में छात्रों के आत्मघात के मामले लगातार बढ़ रहे हैं, इसकी पुष्टि खुद राष्ट्रीय अपराध रेकॉर्ड ब्यूरो भी कर रहा है। जो साल 2023 में देश की शिक्षण संस्थाओं में 13,892 छात्रों की मौत को गले लगाने की बात स्वीकार करता है।

सबसे दुखद स्थिति यह है कि यह संख्या पिछले एक दशक में पैंसठ प्रतिशत बढ़ी है। वहीं इस आंकड़े की तुलना यदि वर्ष 2019 से करें तो यह वृद्धि चौंतीस फीसदी दर्ज की गई है। जाहिर बात है कि यह वृद्धि छात्रों की मानसिक पीड़ा, हताशा और भविष्य के प्रति निराश होने की स्थिति को ही दर्शाती है। निश्चित रूप से हमारी शिक्षा की विसंगतियां भी इन आत्महत्याओं के मूल में हैं।

देश में भाषा व बोर्ड स्तर पर पाठ्यक्रम व शिक्षण की स्थिति में खासा अंतर है। पैसे वालों के बच्चे महंगे स्कूलों में पढ़ते हैं। रही-सही कसर उनके महंगे कोचिंग सेंटरों द्वारा पूरी की जाती है।

भारतीय मूल के दो नेताओं की जीत से ट्रम्प की फजीहत

ज्योति मल्होत्रा

पिछले साल ट्रंप की जीत के बाद से, डेमोक्रेट्स राजनीतिक अस्तित्व के लिए निरंतर संघर्ष कर रहे हैं। इन परिणामों ने परेशान और हाशिये पर जा चुकी डेमोक्रेटिक पार्टी को 2026 के मिडटर्म चुनावों के वास्ते कैंपेन प्लेबुक का टेस्ट... पिछले साल ट्रंप की जीत के बाद से, डेमोक्रेट्स राजनीतिक अस्तित्व के लिए निरंतर संघर्ष कर रहे हैं। इन परिणामों ने परेशान और हाशिये पर जा चुकी डेमोक्रेटिक पार्टी को 2026 के मिडटर्म चुनावों के वास्ते कैंपेन प्लेबुक का टेस्ट करने का मौका दे दिया। अमेरिकी कांग्रेस पर कंट्रोल अब दांव पर होगा। न्यूयार्क शहर वर्ल्ड कैपिटल जैसी फीलिंग देता है। वहां से जब भी लौटा, साझी दिल्ली अर्द्ध शहरी और 'सबअल्टर्न' लगती है। इतालवी मार्क्सवादी दार्शनिक अंतोनियो ग्राम्शी ने 'सबअल्टर्न' शब्द को गढ़ते हुए इसका ध्यान रखा था, कि जो लोग ऐसे माहौल में रहते हैं, वो शहर कैसा होता होगा।

दिल्ली गांव और शहर का मिक्सचर है। जिन्हें हम 'सबअल्टर्न' समझते हैं, वैसा 'अंडरक्लास' या 'मार्जिनलाइज्ड ग्रुप' यदि दिल्ली में है, तो उसके बरक्स दिल्ली, सत्ता के गलियारों में सशक्त लुटियन वालों से लैस भी दिखती है। न्यूयॉर्क शहर सबअल्टर्न नहीं, कैपिटल और स्टेट कंट्रोल का एक बड़ा ग्लोबल सेंटर है। इसी ग्लोबल कैपिटल में 34 साल के डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट ज़ोहरान ममदानी ने मंगलवार को मेयर का चुनाव जीत लिया।मेयर का चुनाव जीते ज़ोहरान ममदानी कई कारणों से भारत-पाकिस्तान की मीडिया में चर्चा का विषय बन गए। अपनी विक्ट्री स्पीच में उन्होंने जवाहरलाल नेहरू के 15 अगस्त, 1947 की आधी रात को दिए गए 'ट्रिस्ट विद डेस्टिनी' का जिक्र किया। भाषण के बाद वे अपनी पत्नी के साथ 'धूम मचा ले' गाने पर झूमते नजर आए। मां मीरा नायर ने मंच पर आकर उन्हें गले लगा लिया। मौके पर उनके पिता महमूद ममदानी भी मौजूद रहे। ममदानी, मानसून वेडिंग और सलाम बॉम्बे जैसी फिल्में डायरेक्ट करने वाली मीरा नायर के बेटे हैं। ज़ोहरान के पिता महमूद ममदानी युगांडा के प्रसिद्ध लेखक, और भारतीय मूल के मार्क्सवादी विद्वान हैं। 'बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना' बना पाकिस्तान, केवल इस बात से प्रसन्न है, कि ममदानी मुसलमान हैं। न्यूयॉर्क शहर में ट्रम्प का साम्राज्य है। फिफ्थ एवेन्यू पर ट्रम्प टॉवर, एक मिक्स्ड-यूज़ स्काईस्क्रेपर है, जो ट्रम्प ऑर्गेनाइजेशन का हेडक्वार्टर है। यह लंबे समय तक डोनाल्ड ट्रम्प का घर भी रहा है। दूसरी प्रॉपर्टीज़ में सेंट्रल पार्क वेस्ट पर ट्रम्प इंटरनेशनल होटल एंड टॉवर, और ब्रॉन्क्स में एक पब्लिक गोल्फ कोर्स, फेरी पॉइंट पर ट्रम्प गोल्फ लिंक्स शामिल हैं। ट्रम्प की भृकुटि ज़ोहरान ममदानी की जीत से तनी हुई है। मतदान से पहले ट्रंप ने मतदाताओं को चेतावनी दी थी, कि ममदानी जैसे वामपंथी के सत्ता में आने से हालात और बदतर हो सकते हैं, और मैं राष्ट्रपति होने के नाते, खराब स्थिति में पैसा नहीं भेजना चाहता। देश चलाना मेरा दायित्व है, और मेरा दृढ़ विश्वास है कि अगर ममदानी जीत गए, तो न्यूयॉर्क शहर पूरी तरह से आर्थिक और सामाजिक रूप से तबाह हो जाएगा।' ट्रम्प को दरअसल, न्यूयॉर्क शहर की नहीं, अपनी तबाही की चिंता हो चली है। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव, राष्ट्रपति के चार वर्षीय कार्यकाल के मध्य में होता है। 3 नवंबर 2026 को होने वाले मिड टर्म इलेक्शन में अमेरिका की प्रतिनिधि सभा की सभी 435 सीटों के साथ सीनेट की 100 में 33 या 34 सीटों का भविष्य तय होना है। मध्यावधि चुनावों के दौरान 36 गवर्नर चुने जाते हैं। तब तक नगरपालिकाओं और महापौर स्तर पर भी चुनाव हो चुके होते हैं। न्यूयार्क में डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट की जीत ऐसे समय में हुई जब बिज़नेस एलीट, कंज़र्वेटिव मीडिया कमेंटेटर्स, और खुद ट्रंप ने उनकी नीतियों और उनके मुस्लिम बैकग्राउंड पर ज़ोरदार हमले किए थे।

आज भी प्रासंगिक राष्ट्रीय गीत का संदेश

बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय

ज्वाला सिंह दास

राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम?' हमें सिखाता है कि स्वतंत्रता केवल राजनीतिक अवस्था नहीं, बल्कि एक भावनात्मक और आध्यात्मिक बंधन है, जो हमें मातृभूमि से जोड़ता है। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का अमर गीत वंदे मातरम? आज भी धमनियों में सिहरन पैदा करता है। 150 वर्षों बाद भी इसकी प्रासंगिकता बरकरार है। यह गीत हमें हमारी सांस्कृतिक विरासत, एकता और देश के प्रति कर्तव्य की याद दिलाता है। आधुनिक भारत में, जहां वैश्वीकरण और विकास के साथ-साथ सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखने की चुनौती है, यह गीत हमें अपनी जड़ों से जोड़े रखता है।

यह हमें सिखाता है कि देशभक्ति केवल नारों में नहीं, बल्कि देश के लिए किए गए कार्यों और बलिदानों में निहित है। 'वंदे मातरम?' का प्रभाव साहित्य, संगीत के अलावा कला में भी है। इसे कई भाषाओं में अनुवादित किया और इसके कई संगीतमय संस्करण बनाए गए। यह गीत आज भी स्कूलों, सांस्कृतिक समारोहों और राष्ट्रीय आयोजनों में गाया जाता है, जो इसकी अमरता का प्रमाण है। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने इस गीत के माध्यम से भारत माता की छवि को ऐसे उकेरा कि यह हर भारतीय के हृदय में बस गया। इसकी रचना प्रक्रिया, स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका और आज भी प्रासंगिकता दर्शाती है कि यह गीत समय की सीमा से परे है। यह सिखाता है कि देशभक्ति की भावना सदा प्रासंगिक रहती है। जिन्होंने लाखों भारतीयों के हृदय में आजादी की

ज्वाला प्रज्वलित की। इनमें से एक ऐसी रचना, जो भारतीयता, संस्कृति और स्वाधीनता की भावना का प्रतीक बन गई, वह है 'वंदे मातरम?'। ऐसी शक्ति जिसने भारत माता के प्रति श्रद्धा, समर्पण व्यक्त किया।

वंदे मातर?म? भारतीयता का प्रतीकात्मक संवाद है। 'वंदे मातरम?' केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, सभ्यता और स्वाधीनता की भावना का जीवंत प्रतीक है। यह गीत भारत माता को मां के रूप में चित्रित करता है, जो अपनी संतानों को प्रेम, शक्ति व बलिदान की प्रेरणा देती है। इस गीत में निहित भावनाएं इतनी गहन हैं कि हर भारतीय के हृदय को स्पंदित करता है। 'सुजलाम? सुफलाम? मलयज शीतलाम?' जैसे शब्द भारत की प्राकृतिक सुंदरता और समृद्धि को दर्शाते हैं, जबकि 'माता' शब्द देश के प्रति ममत्व और समर्पण को उजागर करता है।

बंकिमचंद्र ने इस गीत को लिखते समय भारत को देवी रूप में देखा, जो दुर्गा, लक्ष्मी व सरस्वती का समन्वित रूप है। यह गीत हमें सिखाता है कि स्वतंत्रता केवल एक राजनीतिक अवस्था नहीं, बल्कि एक भावनात्मक और आध्यात्मिक बंधन है, जो हमें अपनी मातृभूमि से जोड़ता है। चाहे वह राष्ट्रीय पर्व हो, सांस्कृतिक समारोह हो, या फिर कोई राष्ट्रीय संकट, 'वंदे मातरम?' की ध्वनि आज भी उतनी ही प्रेरक और जोशपूर्ण है, जितनी स्वतंत्रता संग्राम के दौरान थी। 'वंदे मातरम?' के रचयिता बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय (1838-1894) बंगाल के पुनर्जागरण के अग्रदूत और भारतीय साहित्य के महान सितारों में शामिल थे। उनका जन्म 27 जून, 1838 को बंगाल के 24 परगना जिले में हुआ। बंकिमचंद्र एक नौकरशाह, लेखक, कवि और पत्रकार थे, जिन्होंने अपनी रचनाओं के जरिये भारतीयों में राष्ट्रीयता की भावना जागृत की। उनकी साहित्यिक कृति 'आनंदमठ' स्वतंत्रता संग्राम का वैचारिक आधार भी है। बंकिमचंद्र ने अपनी रचनाओं में भारतीय संस्कृति, धर्म और इतिहास को गहराई से उकेरा। वे चाहते थे कि भारतीय जनमानस अपनी गौरवशाली परंपराओं को पहचाने और विदेशी शासन के खिलाफ एकजुट हो। 'वंदे मातरम?' की रचना बंकिमचंद्र की गहन देशभक्ति, साहित्यिक प्रतिभा व आध्यात्मिक चेतना का परिणाम थी।

लखनऊ में प्रिंसिपल अखिलेश मौर्य का आवास खंगाला

फर्जी डिग्री मामले में मोनाड यूनिवर्सिटी समेत 16 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने फर्जी डिग्री बांटे जाने के मामले में गुरुवार को हापुड़ की मोनाड यूनिवर्सिटी व उन्नाव स्थित सरस्वती मेडिकल कालेज समेत 16 ठिकानों पर छापेमारी की। इनमें लखनऊ, गाजियाबाद, मेरठ, नोएडा के अलावा दिल्ली व हरियाणा में सोनीपत व फरीदाबाद स्थित ठिकाने भी शामिल रहे।

सूत्रों के अनुसार ईडी अधिकारियों ने लखनऊ के गोमतीनगर विस्तार में सरस्वती मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल अखिलेश मौर्य के आवास को भी खंगाला। छापेमारी के दौरान कई दस्तावेज व इलेक्ट्रानिक उपकरण कब्जे में लिए गए हैं। कई फर्जी डिग्री के अलावा बेनामी संपत्तियों से जुड़े दस्तावेज भी कब्जे में लिए गए हैं।

ईडी के लखनऊ स्थित जोनल कार्यालय की टीमों ने सभी ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। ईडी बरामद दस्तावेजों के आधार पर आगे की छानबीन कर रहा है। छापेमारी के दौरान यूनिवर्सिटी व मेडिकल कालेज के कई कर्मचारियों से पूछताछ भी की गई। एसटीएफ (एसटीएफ) ने लाखों रुपये लेकर युवकों को बीए, एमए, बीएड, एलएलबी, फार्मासिस्ट, बीटेक व अन्य व्यवसायिक कोर्स की फर्जी डिग्री उपलब्ध कराए जाने के मामले में 18 मई को मोनाड यूनिवर्सिटी के चेयरमैन चौधरी विजेंद्र सिंह उर्फ विजेंद्र सिंह हुड्डा समेत 10 आरोपितों को गिरफ्तार किया था।

मोनाड यूनिवर्सिटी परिसर से 1372 फर्जी डिग्री व मार्कशीट व अन्य दस्तावेज बरामद किए थे। आरोपित विजेंद्र सिंह हुड्डा इससे पूर्व बहुचर्चित बाइक बोट घोटाले का भी आरोपित रहा है। ईओडब्ल्यू ने उसके विरुद्ध पांच लाख रुपये का इनाम भी घोषित कराया था। विजेंद्र सिंह बसपा के टिकट पर हापुड़ से पिछला लोकसभा चुनाव भी लड़ा था। वह बाइक बोट घोटले के मुख्य आरोपित बसपा नेता संजय भाटी का बेहद करीबी रहा है। ईडी ने मामले में बीते दिनों मनी लांड्रिंग का केस दर्ज कर जांच शुरू की थी।

ईडी सूत्रों के अनुसार विजेंद्र सिंह सरस्वती मेडिकल कालेज के चेयरमैन सुधीर गिरी का पार्टनर भी है। दोनों मिलकर मेरठ में एक शैक्षणिक संस्थान का संचालन भी कर रहे थे। ईडी सरस्वती मेडिकल कालेज से भी फर्जी डिग्री जारी किए जाने को लेकर भी पड़ताल कर रहा है।

सरकारी वेबसाइटें हैक कर आधार बनाने वाले दो दबोचे

कबूला गुनाहः दोनों जनसेवा केंद्र संचालक दिल्ली के हैकर गिरोह से जुड़े हैं

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

अलीगढ़। देश के अलग अलग राज्यों की आधार कार्ड बनाने वाली सरकारी साइटों को हैककर आधार कार्ड सहित अन्य फर्जी प्रमाण पत्र बनाने वाले गिरोह का एसटीएफ ने भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में 6 नवंबर तड़के गिरोह के दो जनसेवा केंद्र संचालक सदस्यों को क्वारसी के जीवनगढ़ इलाके से दबोचा है। दोनों के तार दिल्ली के हैकर गिरोह से जुड़े हैं, जिन्होंने अब तक उत्तराखंड-झारखंड सहित कई राज्यों की सरकारी साइटों को हैककर आधार कार्ड सहित अन्य प्रमाण पत्र बनाना स्वीकारा है। दोनों को पूछताछ के बाद मुकदमा दर्ज कर शाम को जेल भेज दिया गया।

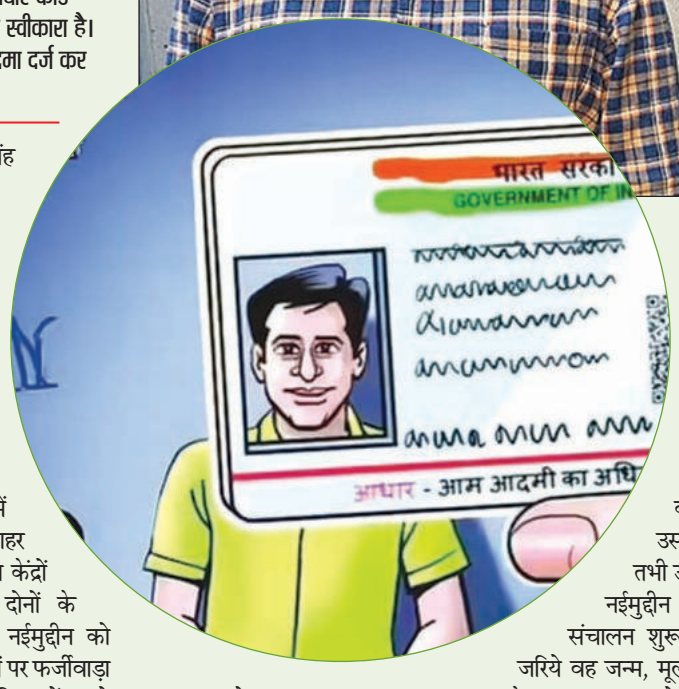

सीओ तृतीय सर्वम सिंह के अनुसार एसटीएफ लखनऊ यूनिट को इस हैकर गिरोह के विषय में सूचनाएं मिल रही थीं। जिस पर काम करते हुए बुधवार रात में टीम यहां पहुंची। क्वार्सी पुलिस के सहयोग से इनपुट जुटाकर मुखबिर की मदद से बृहस्पतिवार तड़के जीवनगढ़ गली नंबर 12 में अगल-बगल में दो घरों के बाहर दुकानों में संचालित जनसेवा केंद्रों पर छापा मारा। यहां से दोनों के संचालक साजिद हुसैन व नईमुद्दीन को दबोच लिया गया। दोनों जगहों पर फर्जीवाड़ा कर बनाए गए आधार कार्ड सहित उन्हें बनाने के संसाधन व अन्य उपकरण मिले। साथ में उनके कंप्यूटर सिस्टम में कई सरकारी साइटों के विंडो भी मिले। पूछताछ में उनके द्वारा जो खुलासे किए गए, उन्हें सुन खुद एसटीएफ टीम दंग रह गई।

सीओ के अनुसार साजिद ने बताया कि 2016-17 से उसने आधार कार्ड बनाने वाली टेक स्मार्ट कंपनी में काम किया है। 2020 में आधार कार्ड डाकघरों से बनने लगे तो उसकी कंपनी का काम खत्म हो गया। उसकी जॉब चली गई। तभी उसने व उसके पड़ोसी नईमुद्दीन ने जनसेवा केंद्र का संचालन शुरू कर दिया। जिसके जरिये वह जन्म, मूल, आय, जाति आदि के प्रमाण पत्र बनाने के आवेदन व डेटा फीडिंग का काम नियमानुसार करते रहे। करीब एक वर्ष पहले उसका संपर्क दिल्ली के आकाश नाम के व्यक्ति से हुआ। जिसने उसे राज्य सरकारों की आधार कार्ड बनाने वाली अधिकृत साइटों को हैककर उनका एक्सिस देना तय किया। उसने अपने अलीगढ़ के ही दो बंदे अमित व शरद को हमारे पास भेजा। उन्होंने हमारे कंप्यूटर सिस्टम, थंब व आई इंप्रेशन लेने वाली मशीनों में साफ्टवेयर इंस्टाल किया जिसके बदले में 50-50 हजार रुपये लिए गए।

साजिद के साथ नईमुद्दीन ने भी यह काम शुरू किया। इसके बाद हमें उत्तराखंड व झारखंड राज्यों की आधार कार्ड बनाने वाली सरकारी साइटों का एक्सिस मिलने लगा। हम ग्राहकों का डेटा उसमें फीड करते थे। ऑनलाइन आकाश ही आधार कार्ड बनाकर हमें वापस भेजता था, जो हम ग्राहक को देते थे। इसके एवज में 200 रुपये प्रति आधार हम आकाश या उनके बंदों को ऑनलाइन भेजते थे, जबकि ग्राहक से 1000 रुपये प्रति आधार लेते थे। नए आधार कार्ड बनाने के साथ-साथ उन्हें अपडेट करने का भी काम करते थे। इस तरह इस मुकदमे में इन दोनों को पकड़ा गया है, जबकि आकाश, अमित व शरद फरार हैं, जिनके विषय में टीमें काम कर रही हैं।

आधार बनाने को बनाते थे फर्जी प्रमाण पत्र

सीओ के अनुसार दोनों ने स्वीकारा है कि आधार कार्ड बनाने के लिए जन्म प्रमाण पत्र या मूल निवास प्रमाण पत्र की जरूरत होती है। ये प्रमाण पत्र वे साइटों से फर्जीवाड़ा कर बनाते थे। उसी की मदद से आधार कार्ड बनता था। दोनों जनसेवा केंद्रों से फर्जीवाड़ा कर बनाए गए 88 आधार कार्ड, 2 फिंगर प्रिंटर, 3 आई रीडर, 5 फर्जी मोहर, 4 कंप्यूटर सिस्टम, 1 डेस्कटॉप, 3 प्रिंटर, 3-3 माउस व कीबोर्ड, 2 मोबाइल व 2300 रुपये नकद बरामद किए गये हैं।

एसटीएफ

लखनऊ यूनिट ने क्वारसी में कार्रवाई करने के लिए मदद मांगी थी। जिसके आधार पर यहां से दो लोगों को साइट हैककर आधार कार्ड बनाने के आरोप में पकड़ा गया। जिन्हें दिन में मुकदमा दर्ज कर जेल भेजा गया है। बाकी विवेचना में जो तथ्य सामने आएंगे। उसी अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

-मृगांक शेखर पाठक, एसपी सिटी

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर जोनल कार्यालय में मनाया गया स्मरण उत्सव

विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर।बंकिमचंद्र चटर्जी द्वारा रचित राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शुक्रवार को जोनल कार्यालय, कानपुर में श्रद्धा और उत्साह के साथ स्मरण उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विशेष संबोधन का सीधा प्रसारण सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने एक साथ देखा और सुना।कार्यक्रम के उपरांत परिसर में फ्रवंदे मातरम्फ्र के सामूहिक गायन का आयोजन किया गया, जिसमें जोन के सभी पुलिसकर्मियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अगुवाई एडीजी आलोक सिंह ने की, जिनकी ईमानदार, तेजतर्रार और न्यायप्रिय छवि के लिए वे जाने जाते हैं। उन्होंने सभी को राष्ट्रभक्ति और कर्तव्यनिष्ठा के भाव से प्रेरित किया।

गूंजते वंदे मातरम् के स्वर से जोनल कार्यालय का वातावरण देशभक्ति से ओतप्रोत हो उठा। उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि यह गीत न केवल आज़ादी के आंदोलन का प्रतीक है, बल्कि हर भारतीय के हृदय में राष्ट्रप्रेम की भावना जगाने वाला अमर मंत्र है।

अब मुंह दिखाई के बिना नहीं मिलेगा सामूहिक विवाह योजना का लाभ

» आधार अपडेट न होने पर अटेंडेंस में आएगी दिक्कत, एक जोड़े पर सरकार कर रही एक लाख रुपये का खर्च

विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में अब बिना 'मुंह दिखाई' किए यानी बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज कराए बिना कोई भी लाभार्थी पंडाल से बाहर नहीं जा सकेगा। योजना के तहत शादी करने वाले जोड़ों के लिए बायोमेट्रिक (फिंगर प्रिंट) और फेस ऑथेंटिकेशन (चेहरे की पहचान) दोनों प्रक्रियाएं अनिवार्य कर दी गई हैं।जिला समाज कल्याण अधिकारी शिल्पी सिंह ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 से यह नई व्यवस्था लागू की गई है। इसके तहत सभी पात्र वर-वधू को विवाह कार्यक्रम स्थल पर कम से कम दो घंटे पहले पहुंचकर उपस्थिति दर्ज कराना आवश्यक होगा। बिना उपस्थिति प्रक्रिया पूरी किए कोई भी जोड़ा योजना का लाभ नहीं ले सकेगा।जिन लाभार्थियों के आधार कार्ड में पुरानी या बचपन की फोटो है या जिनका बायोमेट्रिक अपडेट नहीं है, उन्हें विवाह से पहले ही अपनी जानकारी अपडेट कराने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि उपस्थिति के समय किसी प्रकार की समस्या न आए।योजना के तहत एक जोड़े पर कुल एक लाख रुपये का व्यय किया जाता है। इस राशि में घर के जरूरी सामान, बिछिया, साड़ी, चूड़ी, कंगन, डिनर सेट और कुकर आदि उपहार स्वरूप दिए जाते हैं।कानपुर नगर में इस योजना के अंतर्गत अब तक 474 से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। नवंबर माह में इन सामूहिक विवाहों की तिथियां निदेशालय स्तर से प्रस्तावित हैं।

दसवीं की छात्रा ने संदिग्ध हालात में फांसी लगा दी जान

विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। गजनेर थाना क्षेत्र के जसौरा गांव में गुरुवार को एक किशोरी ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है।मृतका की पहचान मदन कुमार कमल की 17 वर्षीय पुत्री प्रिया उर्फ राशिका के रूप में हुई है। प्रिया ने गुरुवार को संदिग्ध परिस्थितियों में अपने घर में दुपट्टे का फंदा लगाकर फांसी लगा ली।जिसके चलते उसकी मौत हो गई।घटना की जानकारी होने पर परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दी।सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक जनार्दन प्रताप सिंह मय पुलिस फोर्स तथा फोरेंसिक टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। प्रभारी निरीक्षक जनार्दन प्रताप सिंह ने बताया कि आत्महत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

सांसद-विधायक खेल महोत्सव का भव्य शुभारंभ

विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। युवा कल्याण व प्रादेशिक विकास विभाग के तत्वाधान में किदवई नगर स्थित डॉ. चिरंजी लाल राष्ट्रीय इंटर कॉलेज में सांसद रमेश अवस्थी और विधायक महेश त्रिवेदी ने भाजपा सांसद-विधायक खेल महोत्सव का शुभारंभ किया।कानपुर में युवाओं को खेल के प्रति प्रोत्साहित करने और प्रतिभा को मंच देने के उद्देश्य से गुरुवार को भाजपा सांसद खेल प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ किया गया। यह खेल महोत्सव युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास विभाग के तत्वावधान में आयोजित किया गया है। खेल महोत्सव का उद्घाटन किदवई नगर स्थित डॉ. चिरंजी लाल राष्ट्रीय इंटर कॉलेज में आयोजित एक समारोह में किया गया।

सांसद रमेश अवस्थी और विधायक महेश त्रिवेदी सहित अन्य गणमान्य सदस्यों ने दीप प्रज्जवलित कर प्रतियोगिता की औपचारिक शुरुआत की।

इस खेल महोत्सव में विभिन्न खेलों की 11 विधाओं को शामिल किया गया है, ताकि अधिक से अधिक युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल सके। इनमें मुख्य रूप से कबड्डी, कुश्ती, वॉलीबॉल, फुटबॉल, जूडो, बैडमिंटन, भारोत्तोलन, एथलेटिक्स, रस्साकसी, खो-खो, शतरंज जैसी विधाएं शामिल हैं।

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पर शहीदों को नमन कर किया याद

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात। जिलाधिकारी कपिल सिंह के निर्देशों के क्रम में आज जनपद में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन ने की, जबकि अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमार एवं अपर पुलिस अधीक्षक राजेश पाण्डेय विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ जनपद के गौरव शहीदों की स्मृति में ईको पार्क स्थित शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पण कर किया गया। उपस्थित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने राष्ट्र के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले वीर सपूतों को नमन कर पुष्प अर्पित किये।

» विकास भवन सभागार में हुआ वंदे मातरम् का सामूहिक वाचन

इस अवसर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा शहीद अनुराग सिंह की पत्नी श्रीमती विनीता सिंह, शहीद योगेंद्र पाल की पत्नी श्रीमती अनीता सिंह तथा शहीद पत्नी माया कुशवाहा के पुत्र राहुल कुशवाहा को शाल उढ़ाकर सम्मानित किया गया। अधिकारियों ने कहा कि शहीदों के बलिदान से ही आज राष्ट्र सुरक्षित और सशक्त है।

यह सम्मान उनकी अमर गाथा को नमन है। श्रद्धांजलि अर्पण के पश्चात विकास भवन सभागार में मुख्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहां राष्ट्रवाद के अग्रदूत बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा 1875 में रचित राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सामूहिक वाचन किया गया। सभागार देशभक्ति की भावना से गूंज उठा। उपस्थित जनसमूह ने जब एक स्वर में वंदे मातरम का वाचन किया, तो पूरा वातावरण राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत हो उठा। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन ने कहा कि वंदे मातरम मात्र एक गीत नहीं, बल्कि यह राष्ट्र की आत्मा का प्रतीक है।

इस गीत ने स्वतंत्रता संग्राम के प्रत्येक चरण में भारतीयों को एक सूत्र में बाँधा और आज भी यह गीत हमें एकता, त्याग व समर्पण का संदेश देता है। अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमार ने कहा कि वंदे मातरम हमें अपने कर्तव्यों की याद दिलाता है।

जिस प्रकार स्वतंत्रता सेनानियों ने राष्ट्र के लिए सर्वस्व समर्पित किया, उसी भावना से आज हमें समाज सेवा, प्रशासनिक उत्तरदायित्व एवं जनता के कल्याण के लिए कार्य करना चाहिए। वहीं अपर पुलिस अधीक्षक राजेश पाण्डेय ने युवाओं से अपील की कि वे देश के गौरव, संविधान और कर्तव्यों के प्रति सदैव समर्पित रहें ।तथा शहीदों की वीरता को अपनी प्रेरणा बनाएं। कार्यक्रम के दौरान लखनऊ से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की अध्यक्षता में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह का सजीव प्रसारण भी विकास भवन सभागार में देखा व सुना गया। कार्यक्रम में परियोजना निदेशक वीरेंद्र सिंह, जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार तिवारी, डीएफओ एके पाण्डेय, जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी विंग कमांडर अंकित सक्सेना, डीसी एनआरएलएम गंगाराम वर्मा, उप कृषि निदेशक हरिशंकर भार्गव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

रास्ते में बना ली दुकानें, एबुंलेस का निकलना तक मुश्किल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात। कानपुर देहात की मूसानगर नगर पंचायत क्षत्र के पुरानी बाजार के मुख्य रास्ते पर अवैध रूप से दुकानें रखवाने का मामला प्रकाश में सामने आया है। जिससे स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर पंचायत अध्यक्ष खुद मुख्य सडक़ पर अस्थायी दुकानें लगवा रहे है।

» ईओ बोले जल्द हटाया जाएगा अवैध अतिक्रमण

नारेबाजी करती महिलाएं

यह रास्ता करीब 500 परिवारों की आवाजाही का मुख्य मार्ग है, लेकिन दुकानों के कारण मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो जाता है। हालात इतने खराब हैं कि एंबुलेंस तक मरीजों के घर नहीं पहुंच पाती, जिसके चलते कई मरीज समय पर इलाज न मिलने से दम तोड़ चुके हैं। इस मुद्दे पर स्थानीय महिलाओं और आशा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन करते हुए नगर पंचायत के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। एक आशा बहू ने बताया कि वह मरीजों को अस्पताल ले जाने का काम करती है, लेकिन रास्ता बंद होने से एंबुलेंस नहीं आ पाती। कुछ दिन पहले आपसी सहमति से दुकानें हटाई गई थीं, मगर नगर पंचायत अब उन्हें दोबारा लगाने का प्रयास कर रही है। स्थानीय निवासी प्रदीप सिंह इस मामले में हाईकोर्ट से स्टे ऑर्डर भी ले चुके हैं, बावजूद इसके नगर पंचायत अपनी मनमानी पर अड़ी हुई है। प्रदर्शनकारियों ने साफ कहा है कि उन्हें किसी भी तरह का अवैध कब्जा स्वीकार नहीं है रास्ता साफ होना चाहिए ताकि लोगों का आवागमन सुचारू रूप से चल सके।

क्या बोले नगर पंचायत के ईओ

नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी का कहना है कि सरकार के निर्देशानुसार अतिक्रमण के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है और किसी भी हाल में रास्ते पर दुकानें नहीं लगाने दी जाएंगी। जो जगह पर अवैध अतिक्रमण किया है जल्द ही अल्टीमेटम देने क बाद खाली कराया जायेगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

स्टार प्रचारकों में सीएम योगी की सबसे अधिक डिमांड

बिहार विधानसभा चुनाव

योगी की छवि कड़े प्रशासक और तेज एक्शन लेने वाले नेता के रूप में लोकप्रिय हुई है

» बिहार में विभिन्न राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों ने योगी आदित्यनाथ की रैलियों के लिए सर्वाधिक आवेदन भेजे हैं

» अनूप अवस्थी स्वराज इंडिया

लखनऊ/पटना।बिहार विधानसभा चुनाव के बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता लगातार बड़े राजनीतिक ट्रेंड के रूप में उभर कर सामने आई है। बिहार के चुनावी रण में यूपी के नेताओं की मांग भले ही पहले भी देखी गई हो, लेकिन इस बार योगी आदित्यनाथ की डिमांड ने सभी पिछली सीमाओं को पार कर दिया है। चुनावी मंच से लेकर संगठनात्मक रणनीति तक हर जगह योगी की उपस्थिति निर्णायक रूप से महसूस की जा रही है।

सूत्रों के अनुसार, बिहार में विभिन्न राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों ने योगी आदित्यनाथ की रैलियों के लिए सर्वाधिक आवेदन भेजे हैं। चुनावी प्रबंधन की नजर में योगी की एक सभा किसी भी सीट के समीकरण को प्रभावित करने में सक्षम मानी जा रही है। बताया जा रहा है कि योगी की लगभग 50 से अधिक सभाओं की योजना बन चुकी है, जो बिहार की 100 से 150 विधानसभा सीटों को सीधे प्रभावित कर सकती हैं।सीमा से सटे जिलों में गोपालगंज, सीवान, बक्सर, कैमूर, रोहतास, सारण और पश्चिम चंपारण– में योगी की लोकप्रियता का प्रभाव ज्यादा दिख रहा है। इन जिलों में योगी की छवि कड़े प्रशासक और तेज एक्शन लेने वाले नेता के रूप में लोकप्रिय है। लॉ एंड ऑर्डर, बुलडोज़र नीति और हिंदुत्व की पहचान ने उन्हें उन क्षेत्रों में भी मजबूत उपस्थिति दी है,

जहां जातीय समीकरण अधिक प्रभावी माने जाते रहे हैं।राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि इस चुनाव में बिहार और यूपी की राजनीति का जो अदृश्य सेतु बन रहा है, उससे भविष्य में 2027 के यूपी चुनाव के संकेत भी पढ़े जा सकते हैं।

बिहार में योगी के प्रभाव से भाजपा संगठनात्मक रूप से यह संदेश भी देने में जुटी है कि लोकप्रिय नेतृत्व सिर्फ अपने राज्य तक सीमित नहीं है।महागठबंधन की ओर से अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव युवाओं, रोजगार और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर अपनी भूमिका मजबूत कर रहे हैं, लेकिन चुनावी मैदान में योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता अपने चरम पर दिखाई दे रही है।

कुल मिलाकर, बिहार चुनाव प्रचार में इस बार यूपी फैक्टर सबसे बड़ा परिवर्तनकारी तत्व बन गया है, और उसका केंद्र सिर्फ एक नाम के इर्द–गिर्द घूमता दिख रहा है।

योगी की लोकप्रियता बढ़ने के तीन बड़े कारण

1. कड़ा प्रशासन और कानून-व्यवस्था की छवि

यूपी में अपराध नियंत्रण और त्वरित कार्रवाई की नीति ने उनकी छवि को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत किया है।

2. हिंदुत्व का प्रमुख चेहरा

सीमावर्ती जिलों में धार्मिक-सांस्कृतिक जुड़ाव की वजह से योगी की सभाओं में भीड़ स्वतः जुट जाती है।

3. युवा और नए मतदाताओं में आकर्षण

विकास, सुरक्षा और साफ़-सुथरी छवि , नयी पीढ़ी के लिए मुख्य मुद्दे हैं, जिन पर योगी की पकड़ मजबूत मानी जा रही है।

मेधावी छात्र छात्राओं को प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। अमरौधा विकास खंड के प्राथमिक विद्यालय रनियां की मड़ैया में गुरूवार को एक उम्मीद जनकल्याण सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित यादव, सचिव दीक्षा यादव व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सीता यादव के निर्देशन में टीम के जिला उपाध्यक्ष महेन्द्र पाल ने छात्र–छात्राओं के मानसिक विकास के संवर्धन के लिए विद्यालय में बुद्धिमत्ता परीक्षा आयोजित करवाई। आयोजित परीक्षा में छात्र छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया ।

बुद्धिमत्ता परीक्षा में उत्कृष्ट स्थान पाने वाले छात्र छात्राओं को समिति द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। अन्य बच्चों को स्टेशनरी तथा अभिभावकों को समिति के कैलेंडर भी दिए गए। प्रमाण पत्र पाकर छात्र–छात्राओं के चेहरे पर खुशी छा गई। समारोह में कमलेश बाजपेई तथा अभिभावक और छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

अखिलेश दुबे गिरोह: क्या आंच IPS अफसरों तक पहुंचेगी या फिर छोटे अफसर ही बलि चढ़ेंगे?

»मुख्य संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर/लखनऊ।कानपुर में अधिवक्ता अखिलेश दुबे द्वारा रचे गए फर्जी मुकदमों, जमीन कब्जेदारी और अवैध वसूली के जाल की जांच अब एक पुलिस तंत्र के भीतर की संगठित साजिश का रूप ले चुकी है। एसआईटी की पड़ताल में जहां कई पुलिस अधिकारी–उपनिरीक्षक से लेकर क्षेत्राधिकारी (CO) स्तर तक–फंस चुके हैं, वहीं अब यह बड़ा सवाल उठ खड़ा हुआ है कि क्या जांच की आंच वरिष्ठ IPS अफसरों तक भी पहुंचेगी, या फिर हमेशा की तरह छोटे अफसर ही बलि के बकरे बनेंगे? सूत्रों के मुताबिक, अखिलेश दुबे, निवासी साकेत नगर, कानपुर, अपने सहयोगियों के साथ एक सुनियोजित नेटवर्क चला रहा था, जो अधिवक्ताओं और प्रभावशाली संपर्कों के सहारे फर्जी मुकदमे दर्ज कराना, वसूली करना, जमीन कब्जाना और प्रशासनिक दबाव में समझौते कराना जैसे अपराध करता था।जांच में यह भी सामने आया कि दुबे ने पुलिस और केडीए के कुछ अफसरों से गठजोड़ कर कानपुर में अपनी जड़ें मजबूत की थीं।

खास खबर

यह प्रकरण केवल एक अधिकारी या गिरोह का मामला नहीं, बल्कि यह दर्शाता है कि कानून के रक्षक ही यदि अपराधियों के संरक्षक बन जाएं, तो व्यवस्था कैसे खोखली हो जाती है।अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या SIT की जांच सचमुच निष्पक्ष रह पाएगी, या फिर इतिहास दोहराया जाएगा और छोटे अफसर ही सज़ा भुगतेंगे जबकि बड़े नाम फिर बच निकलेंगे।

डीएसपी ऋषिकान्त शुक्ला की संपत्ति से खुला 'पुलिस–गिरोह गठजोड़' का राज

इस प्रकरण की जांच के दौरान तत्कालीन पुलिस उपाधीक्षक, कानपुर नगर, वर्तमान में मैनपुरी तैनात ऋषिकान्त शुक्ला पर जब निगाह गई, तो पूरा सिस्टम हिल गया।एसआईटी की रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि शुक्ला ने अपनी, परिजनों और बेनामी साथियों के नाम पर करीब 100 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति अर्जित की। इनमें आर्यनगर स्थित 11 दुकानें, कई भूखंड, मकान और अवैध निवेश शामिल हैं।

एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट में साफ लिखा है कि शुक्ला का यह संपत्ति साम्राज्य उनकी वैध आय से कई गुना अधिक है और इसके पीछे अखिलेश दुबे नेटवर्क के साथ गहरी सांठगांठ की संभावना है।

क्या बड़े अफसरों की भूमिका भी जांच के दायरे में आएगी?

जांच के दायरे में अब यह चर्चा तेज है कि अखिलेश दुबे जैसे अपराधियों को इतना साहस और नेटवर्क आखिर किसके संरक्षण में मिला?

क्या कानपुर में लंबे समय तक तैनात रहे वरिष्ठ IPS अधिकारी, जो इन सब घटनाओं से परिचित थे, जानबूझकर मौन रहे?

सूत्रों के अनुसार, कुछ सेवानिवृत्त व वर्तमान में सक्रिय आईपीएस अधिकारियों के नाम भी अनौपचारिक चर्चाओं में आ रहे हैं, जिन्होंने या तो इस पूरे तंत्र को नजरअंदाज किया या अप्रत्यक्ष रूप से संरक्षण दिया।एसआईटी की जांच में अब तक कई ष्ह्न, इंस्पेक्टर, उपनिरीक्षक नपे हैं। मगर हर बार की तरह इस बार भी सवाल यही है —

क्या इस 'भ्रष्टाचार के शतरंज' में सिर्फ प्यादे ही कुर्बान होंगे, या राजा–रानी तक भी जांच की आंच पहुंचेगी?जांच अधिकारियों पर अब यह दबाव है कि वे केवल नाम के लिए नहीं, बल्कि पूरे नेटवर्क की परतें उधेड़ें, जिसमें छोटे अफसरों से लेकर उच्च रैंक के अधिकारी तक शामिल रहे हैं।

» कानपुर के अखिलेश दुबे प्रकरण में भ्रष्टाचार की चिंगारी अब सुलगने लगी है

»SIT जांच में अब तक CO, इंस्पेक्टर, उपनिरीक्षक तक गिरे, मगर बड़े रैंक के अधिकारी अभी भी 'सुरक्षित घेरे' में हैं

266 पृष्ठों की जांच फाइल खोली गई

अपर पुलिस महानिदेशक (प्रशासन) उत्तर प्रदेश द्वारा तैयार रिपोर्ट में यह पूरा प्रकरण दर्ज है, जिसे अब प्रमुख सचिव (सतर्कता) के पास भेजा गया है।

रिपोर्ट में 266 पृष्ठों के साथ संपत्ति के अभिलेख, साझेदारों के नाम, और गोपनीय दस्तावेज शामिल हैं। शासन स्तर से स्पष्ट निर्देश है कि सिर्फ कागजी जांच नहीं, बल्कि आरोपियों की वित्तीय और विभागीय जिम्मेदारी तय की जाए।

नगर निगम के तिलक हाल में गूंजा वंदे मातरम्

सामूहिक रूप से राष्ट्रीय गीत गायन में दिखा देशभक्ति का अद्भुत संगम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के मौके पर शुक्रवार को नगर निगम अयोध्या के तिलक हाल में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने की।

नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, नगर आयुक्त जयेन्द्र कुमार, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि आलोक कुमार सिंह 'रोहित', भाजपा नेता अमल गुप्ता, परमानंद मिश्रा सहित सभी पार्षद व नगर निगम के अधिकारी–कर्मचारी मौजूद रहे। सभी अतिथियों ने

एकता का मंत्र है वंदे मातरम्

महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने कहा की अयोध्या भगवान राम की नगरी है, यहां से उठने वाली राष्ट्रभक्ति की गूंज पूरे भारत को प्रेरित करती है। वंदे मातरम् के 150 वर्ष हम सभी के लिए गौरव का क्षण है। नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता बोले यह गीत हमारे स्वाभिमान और स्वतंत्रता संघर्ष की आत्मा है। आज की युवा पीढ़ी को इसके ऐतिहासिक महत्व को समझना होगा।नगर आयुक्त जयेन्द्र कुमार ने कहा नगर निगम के प्रत्येक कर्मचारी को देशहित में सदैव तत्पर रहना चाहिए। वंदे मातरम् हमें राष्ट्रसेवा का संकल्प देता है। जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि आलोक कुमार सिंह 'रोहित' ने कहा यह सिर्फ एक गीत नहीं, बल्कि भारत माता के प्रति समर्पण और एकता का मंत्र है। हम सबको मिलकर राष्ट्रनिर्माण में अपनी भूमिका निभानी होगी। कार्यक्रम का समापन एक स्वर में गूंजे वंदे मातरम् के उद्घोष के साथ हुआ। उपस्थित जनसमूह ने अपने–अपने स्तर पर स्वदेशी और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का संकल्प भी लिया।

प्रधानमंत्री मोदी का संदेश

प्रधानमंत्री ने कहा की वंदे मातरम् मंत्र से अंग्रेज थर्रा जाते थे।आज़ादी का अमर मंत्र वंदे मातरम् है। यही गीत भारत की एकता, शक्ति और राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक है। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को कोटि–कोटि नमन। उन्होंने आगे कहा कि यह गीत क्रांतिकारियों की ताकत था और आज भी राष्ट्र की शान व पहचान है।

आजाद अधिकार सेना ने लगाया अयोध्या नगर निगम पर 25 करोड़ के घोटाले का आरोप

» नगर निगम की ओर से कहा गया आरोप अभी पूरी तरह से अपरिपक्व

» नगर निगम के वर्ष 2023-24 के ऑडिट रिपोर्ट का हवाला दिया गया

प्राण प्रतिष्ठा के नाम पर 'पैसे प्रतिष्ठा' का खेल

अमिताभ ठाकुर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम जैसे भव्य और पवित्र आयोजन पर आजाद अधिकार सेना ने गंभीर वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए अयोध्या नगर निगम को कटघरे में खड़ा कर दिया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने नगर निगम के वर्ष 2023-24 के ऑडिट रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा है कि प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के नाम पर लगभग 25 करोड़ रुपये के घोटाले की आशंका सामने आई है, जिसकी उच्चस्तरीय जांच आवश्यक है।

अमिताभ ठाकुर द्वारा उठाए गए आरोपों में कई ब्लैक लिस्टेड कंपनियों को टेंडर देना, टेंडर स्वीकृति से पहले भुगतान कर देना, निर्धारित दरों से काफी अधिक दरों पर कार्य आवंटन, एक ही वाहन के कई-कई बार वजन दिखाकर भुगतान, बिना बिल के धनराशि जारी, तथा कान्हा गौशाला में नियमविरुद्ध भुगतान जैसे गंभीर बिंदु शामिल हैं। आडिट रिपोर्ट में विशेष तौर पर किंग सिक्योरिटी सर्विस, लायन सिक्योरिटी सर्विस, राजन इंजीनियरिंग तथा लल्लू राम एंड सन्स सहित कई कंपनियों को संदिग्ध कार्यों में चिन्हित किया गया है।

इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए अपर नगर आयुक्त की ओर से जिलाधिकारी को भेजी गई आख्या में कहा गया है कि ऑडिट आपत्तियाँ सरकारी विभागों की सामान्य प्रक्रिया हैं और इनका निस्तारण समय पर कर दिया जाएगा। नगर निगम ने इन आरोपों को अभी अपरिपक्व बताते हुए किसी बड़े वित्तीय घोटाले से इनकार किया है। जब इन आरोपो को पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडेय ने उठाया तो नगर निगम के महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने प्रेसवार्ता में कहा था कि दो दिन के अंदर सारी आपत्तियों का निस्तारण करके शासन व मीडिया को बता दिया जाएगा। बावजूद इसके एक माह से अधिक का समय बीत गया लेकिन नगर निगम की तरफ से उन आरोपो को लेकर अभी तक कोई जबाब नही आया है। वहीं, आजाद अधिकार सेना ने पुन- मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश को पत्र भेजकर इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कराए जाने और ऑडिट रिपोर्ट की आपत्तियों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा जैसे राष्ट्रीय महत्व के जनता के धन का दुरुपयोग किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है और अगर भ्रष्टाचार हुआ है तो दोषियों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

न्याय की गुहार लगाते हुए अधिवक्ता धरने पर बैठा

» अधिवक्ताओं का प्रतिनिधिमंडल आईजी से मुलाकात करने जाएगा

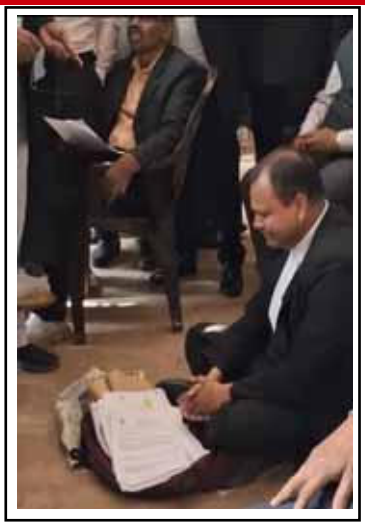

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। अधिवक्ता संघ अयोध्या के सम्मानित सदस्य अश्वनी कुमार को न्याय की राह में लगातार मिल रही बाधाओं ने आखिर उन्हें धरने पर बैठने को मजबूर कर दिया। दो माह से उनके मामले पर संघ में प्रस्ताव लंबित है, लेकिन कोई ठोस कार्यवाही सामने नहीं आई।

अधिवक्ता अश्वनी कुमार का आरोप है कि मु0अ0सं0-109/24, थाना राम जन्मभूमि से जुड़े केस में क्राइम ब्रांच अयोध्या के विवेचक जनार्दन सिंह न सिर्फ अभियुक्तों को बचाने का प्रयास कर रहे हैं, बल्कि गवाहों को बयान बदलने के लिए धमका भी रहे हैं। उनका कहना है कि उन्होंने जो महत्वपूर्ण साक्ष्य एक पेनड्राइव केस डायरी में दिया था, उसे भी गायब कर दिया गया।

वहीं विधिक अभिमत को भी केस डायरी से हटाने की शिकायत उन्होंने क्षेत्राधिकारी, प्रभारी क्राइम ब्रांच और एसएसपी अयोध्या से की, बावजूद इसके स्थिति जस की तस है।अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए अश्वनी कुमार कहते हैं अधिवक्ता होकर भी न्याय के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। आज घटना मेरे साथ है, कल किसी और अधिवक्ता के साथ भी यही हो सकता है।

विवेचक का यह कृत्य दण्डनीय है और केस डायरी से छेड़छाड़ गंभीर अपराध है। अधिवक्ता संघ के भीतर इस प्रकरण पर चुप्पी भी सवालों के घेरे में है। अधिवक्ता जगत इसे अपने सम्मान और सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा मानते हुए लामबंद होता दिख रहा है। शुक्रवार दोपहर बाद अधिवक्ताओं का प्रतिनिधिमंडल इस मामले को लेकर आईजी से मुलाकात करने जाएगा।

अधिवक्ता की सुरक्षा और सम्मान सर्वोपरि है। प्रकरण गंभीर है। एसएसपी से समय लेकर मुलाकात की जा रही है। संघ अपने सदस्य के साथ है और न्याय सुनिश्चित कराया जाएगा।
– सूर्य नारायण सिंह, अध्यक्ष, अधिवक्ता संघ अयोध्या

छह महीने से फरार हत्या के आरोपी को दबोचा आला कत्ल बरामद

» 19 मई को थाना महाराजगंज क्षेत्र के सनैसा गांव में पैसे के लेन-देन को लेकर हुई थी हत्या

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।अयोध्या कोतवाली पुलिस ने छह महीने से फरार चल रहे हत्या के वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए अभियुक्त की निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त एक अदद राड बरामद कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय भेज दिया गया है।बताया गया कि पैसे के लेन-देन के विवाद में 19 मई को थाना महाराजगंज क्षेत्र के सनैसा गांव निवासी निखिल निषाद (18) की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी तथा दो युवक घायल हुए थे। इस मामले में अयोध्या कोतवाली में मुकदमा अपराध संख्या 249/25, धारा 191(2), 191(3), 103(1), 115(2), 109(1) बीएनएस में अभियोग पंजीकृत किया गया था। जिसमें रामजनम निषाद पुत्र रामसूरत निषाद निवासी रामपुर हलवारा मांझा थाना कोतवाली अयोध्या, नामजद था। वह फरार चल रहा था। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार शर्मा की टीम ने कुढ़ा-केशवपुर मार्ग के वैतरणी कुंड के पास छापा मार कर रामजनम को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक के अलावा उपनिरीक्षक जगन्नाथ मणि त्रिपाठी, आरक्षी नरेन्द्र कुमार और आरक्षी सोयल सिंह शामिल रहे।

योगी सरकार की सख्ती, राजधानी में चला अभियान

लखनऊ में अवैध निर्माण पर एलडीए का बुलडोजर

गोमती नगर, चौक, ठाकुरगंज व दुबग्गा में होटल, गोदाम, कॉम्पलेक्स सहित 11 निर्माण सील, बिना नक्शा पास कराए हो रही थी प्लाटिंग!

» प्रवर्तन टीम की ताबड़तोड़ कार्रवाई, नैमिष नगर और काकोरी में भी अवैध कॉलोनियां ध्वस्त।

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार में अवैध निर्माण और अवैध कब्जों को मुक्त कराया जा रहा है। इसके साथ ही अवैध निर्माणाधीन बिल्डिंगों को सील किया जा रहा है। इसी क्रम में एक बार फिर राजधानी लखनऊ में अवैध निर्माण और प्लॉटिंग के खिलाफ जबरदस्त अभियान चलाया गया है। इस दौरान गोमती नगर विस्तार में रोक के बावजूद बन रहे होटल, कॉम्पलेक्स, गोदाम समेत 11 अवैध निर्माणों को सील किया गया है। इसी तरह चौक, ठाकुरगंज और दुबग्गा क्षेत्र में बहुमंजिला कॉम्पलेक्स समेत 3 अवैध निर्माण सील किये गए हैं।

लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष आईएएस प्रथमेश कुमार की सख्ती के बाद हरकत में आयी प्रवर्तन टीम ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई की है। प्रवर्तन जोन-1 की जोनल अधिकारी संगीता राघव ने बताया कि गोमती नगर विस्तार के सेक्टर-1, 5, 6, एवं 7 में सुनील, मयंक गुप्ता, अभय सिंह, हितेश खन्ना, अर्पणा दूबे, अर्चना पाण्डेय, सियाराम जायसवाल, तौसीफ अहमद, जितेन्द्र शुक्ला, सुनीता सिंह, उदय प्रताप सिंह व अन्य द्वारा अवैध रूप से होटल, कॉम्पलेक्स, गोदाम आदि बहुमंजिला भवनों का निर्माण कराया जा रहा था. 120 वर्गमीटर से लेकर 800 वर्गमीटर क्षेत्रफल के भूखंडों पर किए जा रहे इन 11 अवैध निर्माणों को अभियान चलाकर सील किया गया।

नैमिष नगर में 50 बीघा अवैध प्लाटिंग ध्वस्त

नैमिष नगर योजना के ग्राम-पलहरी में लगभग 50 बीघा क्षेत्रफल में की जा रही 4 अवैध प्लाटिंग पर बुलडोजर चलाया गया है। जबकि मोहनलालगंज और काकोरी में अभियान चलाकर 14 अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त किया गया है। प्रवर्तन जोन-1 की जोनल अधिकारी संगीता राघव ने बताया कि गोमती नगर विस्तार के सेक्टर-1, 5, 6 और 7 में अवैध रूप से होटल, कॉम्पलेक्स, गोदाम आदि बहुमंजिला भवनों का निर्माण कराया जा रहा था। 120 वर्गमीटर से लेकर 800 वर्गमीटर क्षेत्रफल के भूखण्डों पर किये जा रहे इन 11 अवैध निर्माणों को अभियान चलाकर फिर से सील किया गया है। ये निर्माण सुनील, मयंक गुप्ता, अभय सिंह, हितेश खन्ना, अर्पणा दूबे, अर्चना पाण्डेय और सियाराम जायसवाल समेत अन्य लोग करा रहे थे। इसी तरह प्रवर्तन जोन-7 के जोनल अधिकारी माधवेश कुमार ने बताया कि इमरान अली और अन्य द्वारा ठाकुरगंज के न्यू हैदरगंज में 800 वर्गमीटर क्षेत्रफल के भूखण्ड पर कॉम्पलेक्स का निर्माण कराया जा रहा था।

वहीं मंजीत और अन्य के द्वारा चौक में राजाबाजार चौराहे के पास भवन संख्या-228/83 पर लगभग 200 वर्गमीटर क्षेत्रफल में निर्माण कार्य कराया जा रहा था। इसी तरह मनोहर लाल और अन्य लोग दुबग्गा में जेहटा रोड स्थित पलक सिटी में 400 वर्गमीटर क्षेत्रफल के भूखण्ड पर भवनों का निर्माण कराया जा रहा था। एलडीए से नक्शा पास कराए बिना ही किए जा रहे इन तीनों अवैध निर्माण को सील कर दिया गया है।

प्रवर्तन जोन-4 के जोनल अधिकारी प्रभाकर सिंह ने बताया कि सैरपुर थानाक्षेत्र के ग्राम-पलहरी में 4 अलग-अलग स्थानों पर लगभग 50 बीघा क्षेत्रफल में अनाधिकृत रूप से प्लाटिंग का काम कराते हुए अवैध कॉलोनी बनाई जा रही थी। एलडीए से ले-आउट स्वीकृत कराए बिना की जा रही इन चारों अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त कर दिया गया है।

मोहनलालगंज और अतरौली में 14 अवैध प्लाटिंग की ध्वस्त

प्रवर्तन जोन-2 के जोनल अधिकारी विराग करवरिया ने बताया कि मोहनलालगंज के ग्राम-अतरौली में अफशेर, राम मिलन, लक्ष्मीशंकर, अनिल गुप्ता व रामाशीष सिंह द्वारा 04 जगहों पर अवैध प्लाटिंग की जा रही थी, जिन्हें ध्वस्त किया गया।

प्रवर्तन जोन-3 के जोनल अधिकारी विपिन कुमार शिवहरे ने बताया कि यशवंत, राजेश, नवाब, चंद्रबली, रियाज व अन्य द्वारा काकोरी में लगभग 21 बीघा क्षेत्रफल में की जा रही 10 अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त किया गया। ये सभी कार्रवाई लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार की सख्ती के बाद की गई।

बाहर की दवा लिखी तो डॉक्टर हो जाएंगे सस्पेंड

डॉक्टर नहीं मिले तो सीएमएस भी होंगे जिम्मेदार

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में सादी पर्ची पर बाहर की ब्रांडेड दवा लिखने वाले डॉक्टर निलंबित होंगे। इसके अलावा निर्धारित समय पर ओपीडी कक्ष में डॉक्टर के न होने पर संबंधित डॉक्टर के साथ चिकित्सा अधीक्षक व मुख्य चिकित्सा अधीक्षक भी जिम्मेदार होंगे।

सरकारी अस्पतालों में उत्तर प्रदेश मेडिकल सप्लाइज कार्पोरेशन द्वारा भेजी जाने वाली करीब दो सौ से अधिक दवाएं उपलब्ध हैं। इसके अलावा जेनेरिक दवा के लिए जन औषधि केंद्र हैं। डॉक्टरों को सरकारी अस्पताल में मौजूद दवाएं और जेनेरिक दवाएं लिखने का आदेश है, लेकिन कई जगह डॉक्टर सरकारी पर्चे में अस्पताल की कुछ दवाएं लिखने के साथ अलग से सादी पर्ची पर ब्रांडेड दवाएं भी लिखते हैं। ऐसी शिकायतें मिलने पर स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने चेतावनी दी है कि सादी पर्ची पर दवा लिखी मिली तो संबंधित डॉक्टर के खिलाफ निलंबन तक की कार्रवाई होगी।

इसके अलावा अस्पताल के समय ओपीडी कक्ष से गायब रहने वाले डॉक्टर भी चिह्नित किए जाएंगे। इसके लिए संबंधित अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक व मुख्य चिकित्सा अधीक्षक भी जिम्मेदार होंगे। उन्होंने सुधरने की चेतावनी देते हुए कहा कि 15 नवंबर के बाद शासन स्तर की टीमें अलग-अलग जिलों के अस्पतालों का औचक निरीक्षण करेंगी।

मरीज कर सकते हैं शिकायत

सादी पर्ची पर बाहर की दवा लिखने पर मरीज संबंधित अस्पताल के प्रभारी अधीक्षक, अधीक्षक अथवा अन्य उच्चाधिकारियों को शिकायती पत्र दे सकते हैं। सुनवाई नहीं होने पर महानिदेशक स्वास्थ्य को भी पत्र भेज सकते हैं।

अपने सांसद को समझा दो...! वो बिहार आए तो गोली मार देंगे

अभिनेता-सांसद रविकिशन को फिर जान से मारने की दी धमकी

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

गोरखपुर। भोजपुरी स्टार और गोरखपुर से भाजपा सांसद रविकिशन को एक बार फिर जान से मारने की धमकी दी गई है। इस बार फोन उनके रामगढ़ताल क्षेत्र के गौतम विहार विस्तार कॉलोनी में रहने वाले प्रवीण शास्त्री को फोन किया गया है। धमकी देने वाले ने कहा कि अबकी बार मोदी-योगी सब चले जाएंगे, अपने सांसद को समझा दो, कोई प्रशासन तुम्हें नहीं बचा पाएगा। यह तो सिर्फ ट्रेलर है। यह फोन भी बिहार से ही किया गया। धमकी भरी कॉल उस समय आई, जब वह देवरिया से एक कार्यक्रम से लौट रहे थे। प्रवीण शास्त्री सांसद रविकिशन के घर पूजा-पाठ कराते हैं।

प्रवीण शास्त्री ने पुलिस को तहरीर दी है। कुछ दिन पहले ही रविकिशन के निजी सचिव शिवम द्विवेदी को फोन कर सांसद को धमकी दी गई थी। इसमें धमकी देने वाले ने यादवों पर टिप्पणी को आधार बनाया था। बाद में गोरखपुर पुलिस ने पंजाब पुलिस के सहयोग से धमकी देने वाले अजय कुमार यादव को लुधियाना के फतेहगढ़ मुहल्ला बग्गा कलां से गिरफ्तार किया था।

इस बार मिली धमकी को लेकर प्रवीण शास्त्री ने पुलिस को बताया कि उन्हें कॉल करने वाले ने अपशब्दों के साथ कहा कि अबकी बार मोदी-योगी सब चले जाएंगे, अपने सांसद को समझा दो, कोई प्रशासन तुम्हें नहीं बचा पाएगा। यह तो सिर्फ ट्रेलर है। धमकी के बाद प्रवीण और उनका परिवार भयभीत है। उन्होंने कॉल रिकॉर्डिंग पुलिस को सौंप दी है। रामगढ़ताल थाना प्रभारी नितिन रघुनाथ श्रीवास्तव ने कहा कि जांच चल रही है और साक्ष्य मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले सांसद के निजी सचिव को फोन कर धमकी दी गई थी। पुलिस उस मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर चुकी है।

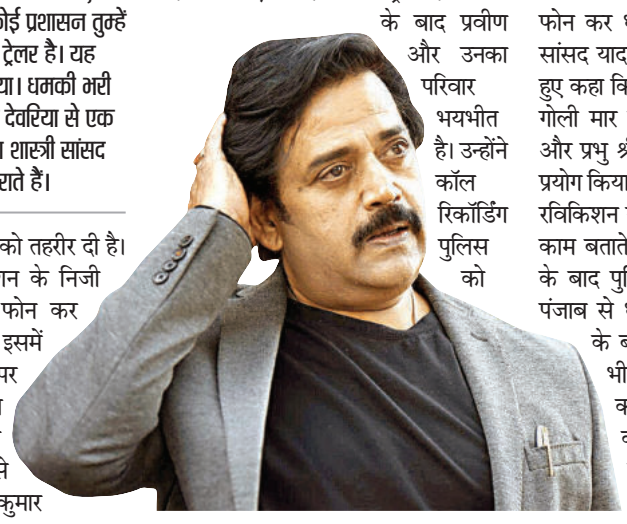

बिहार आने पर गोली मार देंगे

पिछली बार रविकिशन के सचिव को फोन कर धमकी देने वाले ने कहा था कि सांसद यादवों पर टिप्पणी करते हैं। धमकाते हुए कहा कि अगर वह बिहार आते हैं तो उन्हें गोली मार दी जाएगी। सांसद की माता जी और प्रभु श्रीराम के प्रति भी अभद्र भाषा का प्रयोग किया था। धमकी मिलने के बाद सांसद रविकिशन ने इसे सनातन विरोधी ताकतों का काम बताते हुए कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। इसी के बाद पुलिस फास्ट हुई और आरोपी को पंजाब से धरदबोचा था। हालांकि गिरफ्तारी के बाद धमकी देने वाला गिड़गिड़ाता भी दिखाई दिया था। वह पंजाब में कपड़ा धोने का काम करता था और कभी बिहार नहीं गया। उसने पुलिस से कहा कि नशे की हालत में गलती कर दी थी।